स्वतंत्रता दिवस

मैं दुश्मन से नहीं डरता,
मैं भारत का जवान हूँ।
मरुस्थल की रेत हूँ मैं,
सियाचीन का असमान हूँ।।
मैं दुश्मन से नहीं डरता,
मैं भारत का जवान हूँ।।

मैं जून में जलती रेत पे लेटी,
कहता हूँ सर्दी आज कम है।
दिसम्बर की ठंड पीके,
कहता हूँ गर्मी का मौसम है।
मैं बर्फ में नौ दिन तक मैं,
रहकर जिन्दा निकलता हूँ।।
सीने में अपनी सांस को
टुकड़ों में भरता हूँ।
मैं भारत का जवान हूँ।
दुश्मन से नहीं डरता ।।

मेरी दिवाली में उजाले का ख्याल तक नहीं,
मेरी होली में रिश्तों का गुलाल तक नहीं ।।
चाँद हर ईद पे तनहाई में ज़ाफा लाता है,
मुझे राखी बांधने बस एक इलिफाफा आता है।
अपनी माँ के पैर छुए मुझे एक अरसा हो गया,
मेरा बाप मेरा इन्तजार में बुढ़ा हो गया।
मेरी बीवी सिन्दुर लगाके भी लगती कुँवारी है,
मैंने सहूलियत का गला घोटा, जरूरत नकारी है,
हाँ मैं निर्दय हूँ।।
मैं अपने उजड़ते घरों आँगन से नहीं डरता।
मैं भारत का जवान हूँ।
मैं दुश्मन से नहीं डरता ।।

Name - Nirali Tirkey
class - 1st year. Sec- B (2021-23)